## संपादकीय

# अदालत या सहमति ही विकल्प

सुप्रीमकोर्ट द्वारा अयोध्या विवाद की सुनवाई जनवरी तक स्थगित किये जाने से उन लोगों ने जरूर राहत की सांस ली होगी जो लोकतांत्रिक चुनाव प्र ि या को वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित चाहते होंगे। उन लोगों ने भी जो इस मुद्दे को हर चुनाव के दौरान गरमाते देखते होंगे। पिछले दिनों दशहरे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख के बयान कि अयोध्या विवाद के समाधान के लिये सरकार कानून लाये और पिछले दिनों सत्तारूढ़ दल के नेताओं और सहयोगी संगठनों द्वारा जैसे अयोध्या मुद्दे के शीघ्र समाधान के लिये माहौल बनाया गया, उसे देखते हुए प्रगतिशील तबके ने कोर्ट के फैसले के बाद राहत महसूस की होगी। नि:संदेह इस मुद्दे का यहीं पटाक्षेप होने वाला नहीं है। नये सिरे से इस मुद्दे को गरमाने की कोशिश होगी। राजनीतिक व धार्मिक संगठनों ने जिस तरह कोर्ट के निर्णय के बाद प्रति ि या दी है, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं। बहरहाल, अनुषांगिक संगठनों के दबाव के बाद भाजपा बचाव की मुद्रा में जरूर होगी कि केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद इस विवाद के समाधान की गंभीर कोशिश क्यों नहीं हुई। जिसका जवाब पार्टी को अगले आम चुनाव में भी देना पड़ेगा।

मंदिर समर्थक दलील दे रहे हैं कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा अयोध्या विवाद पर दिये गये फैसले के सात साल बाद भी अंतिम फैसला न आना और अब सुनवाई को अगले साल तक के लिये टालना न्यायिक शिथिलता का ही परिचायक है। लगातार कहा जा रहा है कि सरकार अयोध्या विवाद के समाधान को कानून बनाये। ऐसे में शीतकालीन सत्र में सरकार से पहल की उम्मीद की जा रही है। मगर राज्यसभा में बहुमत के अभाव में कहीं इस पहल का हश्र भी तीन तलाक कानून जैसा न हो। यदि मंदिर समर्थकों की अध्यादेश लाने की लीक पर सरकार आगे बढ़ती है तो निश्चित रूप से उसे अदालत में चुनौती दी जाएगी। वैसे भी अध्यादेश उन्हीं मुद्दों पर लाये जाते हैं जो विवादित न हों और सबका कल्याण उसमें निहित हो। इसके अलावा अध्यादेशों के सहारे सरकार चलाना स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा नहीं मानी जा सकती। नि:संदेह जब कोई मुद्दा बड़ी अदालत में हो तो उस पर कानून बनाने की अपनी सीमाएं भी हैं। ऐसे में मंदिर विवाद के समाधान के लिये अदालत के फैसले के इंतजार के सिवाय और कोई विकल्प नहीं बचता या फिर अयोध्या विवाद का समाधान आपसी सहमति से निकालने का प्रयास हो।

# इस बार फोर्ड इंडिया ने मचाया धमाल, होंडा ने भी गाड़े झंडे

नई दिल्ली। ईंधन की आसमान छूती कीमत और बढ़ती ब्याज दरों के कारण अक्टूबर का त्योहारी मौसम वाहन उद्योग के लिए ज्यादा खुशियां लेकर नहीं आया और मारुति सुजुकी, हुंदई, महिंद्रा एवं टोयोटा ने पिछले महीने एक अंक में वृद्धि दर्ज की. होंडा कारों की बिक्री अक्टूबर में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में लगभग बराबर रही. वहीं टाटा मोटर्स और फोर्ड इंडिया की बिक्री में भी वृद्धि देखने को मिली. देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति ने गुरुवार को जानकारी दी कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 1.5 प्रतिशत बढ़कर 1,38,100 यूनिट रही जो अक्टूबर 2017 में 1.36 लाख थी.

### मारुति के यूटिलिटी वाहनों की बिक्री घटी

कंपनी की ऑल्टो और वैगन आर जैसी छोटी कारों की बिक्री 32,835 यूनिट रही जो पिछले साल अक्टूबर में 32,490 कारें थी. इसी तरह स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसी कॉम्पैक्ट श्रेणी में भी कंपनी ने 64,789 कारों की बिक्री की जो अक्टूबर 2017 में 62,480 वाहन थी. मिड-सेडान सेगमेंट में कंपनी ने 3,892 सियाज की बिक्री की. वहीं विटारा ब्रिजा, एस-क्रॉस और अर्टिगा जैसी यूटिलिटी वाहन श्रेणी में कंपनी की बिक्री घटी है और यह 11.2 प्रतिशत घटकर 20,764 वाहन रही जो अक्टूबर 2017 में 23,382 वाहन रही.

### मारुति के निर्यात में आई कमी

अक्टूबर में कंपनी का एक्सपोर्ट 17 प्रतिशत घटकर 8,666 वाहन रहा जो पिछले साल इसी माह में 10,446 वाहन था. मारुति की कंप्टीटर कंपनी हुंडई ने नई सेंट्रो और क्रेटा, एलिट आई 20 और ग्रैंड आई 10 जैसी कारों की मजबूत मांग के बेस पर अक्टूबर में घरेलू बाजार में किसी भी महीने की तुलना में सर्वाधिक कारों की बिक्री की. कंपनी के वाहनों की घरेलू बिक्री में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. कंपनी ने इस साल अक्टूबर में 52,001 वाहन घरेलू बाजार में बेचे. पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 49,588 गाड़ियों की बिक्री की थी.

## दिवाली से पहले घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपये तक हुआ महंगा

नई दिल्ली। दीपावली से ऐन पहले एलपीजी गैस सिलेंडर महंगा हो गया है। इस बार भी घरेलू (14.2 किलो) और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो) के दामों में गैस कंपनियों ने बड़ा इजाफा किया है। रसोई गैस सिलेंडर के बाजार भाव में 60.50 रुपए की और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 95 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दामों में हुए इस इजाफे के बाद घरेलू रसोई गैस सिलेंडर 1000 के नजदीक यानी 977.50 रुपए का हो गया है। यह अभी तक उपभोक्ताओं को 917 रुपये का पड़ रहा था। बीते माह 1580 रुपये में मिलने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के लिए दुकानदारों व करोबारियों को अब 1675 रुपए चुकाने होंगे।

### छह माह से लगातार बढ़ रहे दाम

बीते छह माह से लगातार एलपीजी सिलेंडर के दाम आसमान चढ़ते जा रहे हैं। इस दौरान घरेलू गैस सिलेंडर के बाजार भाव में 291 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वहीं बीते 6 माह में कमर्शियल सिलेंडर 430 रुपये महंगा हो गया है।

### खातों में जाएगी 471.75 रुपए की सब्सिडी

घरेलू गैस सिलेंडर पर उपभोक्ताओं को 471.75 रुपए की सब्सिडी मिलेगी।

## रॉयल इनफील्ड की बिक्री में एक फीसदी की मामूली बढ़त

मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय कारोबार में रही सुस्ती के दबाव में रॉयल इनफील्ड ब्रांड से मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी आयशर मोटर्स लिमिटेड की कुल बिक्री में अक्टूबर में एक प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गयी। कंपनी द्वारा आज जारी वाहन बिक्री के आंकड़ों के मुताबिक आलोच्य माह में उसने कुल 70,451 इकाइयाँ बेचीं, जो अक्टूबर 2017 में बिकीं 69,492 इकाइयों की तुलना में एक फीसदी अधिक है। आलोच्य माह में उसने भारतीय बाजार में कुल 70,044 वाहन बेचे जो अक्टूबर 2017 में बिके 68,014 वाहनों की तुलना में तीन फीसदी अधिक है।

## त्योहारों के मौके पर मिलेगी रेल यात्रियों को राहत

नई दिल्ली। त्योहारों के मौके पर ने यात्रियों को राहत देते हुए सालभर में 50 फीसदी से कम बुकिंग वाली 15 प्रीमियम ट्रेनों से फ्लेक्सी फेयर सिस्टम को समाप्त कर दिया गया है।

कम मांग वाले सीजन में, जब टिकट बुकिंग 50 से 75 फीसदी तक घट जाती है, ऐसी में 32 ट्रेनों में फ्लेक्सी फेयर सिस्टम लागू नहीं होगा।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को बोलाकि रेलवे ने 101 ट्रेनों में फ्लैक्सी किराये की दर को आधार मूल्य के 1.5 गुना के बजाय 1.4 गुना कर दिया है। रेलवे की तरफ से यह कदम जुलाई में आई कैग की रिपोर्ट के बाद उठाया गया है।

## टी-20 में कोहली के बिना रोहित शर्मा इंडीज की तिकड़ी से कैसे निपटेंगे

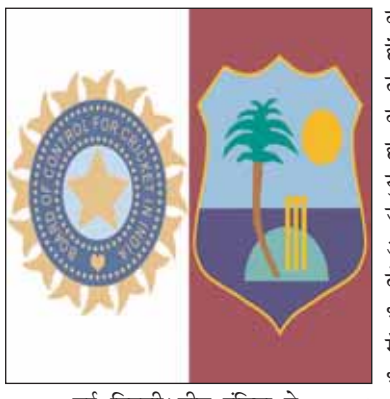

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने गुरुवार को धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए तिरुवनंतपुरम में खेले गए सीरीज के निर्णायक वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराते हुए पांच मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली. भारत ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना वर्चस्व दिखाते हुए इंडीज को पस्त किया. वेस्टइंडीज को रौंदकर घरेलू सरजमीं पर लगातार छठी सीरीज अपने नाम की. भारत को पिछली बार घरेलू सरजमीं पर वनडे सीरीज में 2015 में हार मिली थी, जिसमें वे दक्षिण अफ्रीका से 2-3 से पराजित हो गए थे. अब वनडे सीरीज के बाद भारत को 4 नवंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है. भारत की बात करें, तो टी-20 सीरीज में नियमित कप्तान विराट कोहली नहीं होंगे. रोहित शर्मा पर एक युवा टीम का जिम्मा होगा, जो इस बार बिना कोहली और धोनी के खेलेगी. वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत ने अब तक 8 टी-20 मैच खेले हैं, जिनमें से भारत को 5 में हार मिली है, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा. खेल के इस फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की टीम बहुत खतरनाक है. 4 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में इस टी-20 सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा. टी-20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम में कीरोन पोलार्ड, आंद्रे रसेल और कार्लोस ब्रेथवेट जैसे खतरनाक और विस्फोटक बल्लेबाज खेलेंगे. इस तिकड़ी से निपट पाना रोहित ब्रिगेड के लिए आसान नहीं होगा. वेस्टइंडीज के टी-20 कप्तान कार्लोस ब्रेथवेट ने गुरुवार को ईडन गार्डन्स पर पसीना बहाया, जिस मैदान पर विश्व टी-20 फाइनल में उनके लगातार चार छक्कों से वह सुर्खियों में आ गए थे.

## बड़ी परेशानियों का हो सकता है छोटा हल

एक शहर में एक धनी व्यक्ति रहता था, उसके पास बहुत पैसा था और उसे इस बात पर बहुत घमंड भी था। एक बार किसी कारण से उसकी आंखों में इंफेक्शन हो गया। आंखों में बुरी तरह जलन होती थी। वह डॉक्टर के पास गया, लेकिन डॉक्टर उसकी इस बीमारी का इलाज नहीं कर पाया। सेठ के पास बहुत पैसा था, उसने देश-विदेश से बहुत सारे नीम-हकीम और डॉक्टर बुलाए। एक बड़े डॉक्टर ने बताया कि आपकी आंखों में एलर्जी है। आपको कुछ दिन तक सिर्फ हरा रंग ही देखना होगा। अगर कोई और रंग देखेंगे तो आपकी आंखों को परेशानी होगी।अब क्या था. सेठ ने बड़े-बड़े पेंटरों को बुलाया और पूरे महल को हरे रंग से रंगने के लिए कहा। वह बोला- 'मुझे हरे रंग के अलावा कोई और रंग दिखाई नहीं देना चाहिए।' इस काम में बहुत पैसा खर्च हो रहा था, लेकिन फिर भी सेठ की नजर किसी अलग रंग पर पड़ ही जाती थी, क्योंकि पूरे नगर को हरे रंग से रंगना संभव ही नहीं था। सेठ दिन प्रतिदिन पेंट कराने के लिए पैसा खर्च करता जा रहा था। एक दिन किसी दूसरे शहर का एक सज्जन पुरुष उस शहर से गुजर रहा था। उसने चारों तरफ हरा रंग देखकर लोगों से कारण पूछा। सारी बात सुनकर वह सेठ के पास गया और बोला, 'सेठ जी आपको इतना पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है। मेरे पास आपकी परेशानी का एक छोटा सा हल है।'

सेठ ने कहा- 'क्या हल है?' वह व्यक्ति बोला- 'आप हरा चश्मा क्यों नहीं पहन लेते। ऐसा करने पर आपको सब कुछ हरा दिखेगा। 'सेठ की आंख खुली की खुली रह गई। उसके दिमाग में यह छोटा-सा विचार आया ही नहीं था।

### हल ढूंढने की कोशिश करें

जीवन में हमारी सोच और देखने के नजरिए पर भी बहुत सारी चीजें निर्भर करती हैं। कई बार बड़ी परेशानियों का हल भी बहुत छोटा होता है, लेकिन अक्सर हमारे दिमाग में यही बात रहती है कि बड़ी परेशानी मतलब समाधान भी जटिल होगा, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसलिए किसी भी परेशानी को बड़ा ना मानते हुए इसका हल ढूंढने की कोशिश करें। आपको आसान रास्ता जरूर मिलेगा।

### काम की बात

1. हमारी सोच और देखने के नजरिए पर हमारी सफलता और असफलता निर्भर करती है।

2. बड़ी परेशानी होने का यह कतई मतलब नहीं कि इसका समाधान भी जटिल हो।

## खेल हमारी संस्कृति का हिस्सा निशानेबाज हिना सिद्धू

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज हिना सिद्धू ने गुरुवार को कहा कि निशानेबाजी ने भारत में लंबा सफर तय किया है और इसकी प्रसिद्धि देखते हुए उन्हें अच्छा लगता है।

हिना ने एक साक्षात्कार में यह बात कही। हिना सिद्धू ने कहा, खेल अब हमारी संस्कृति का हिस्सा बन गया है। इन दिनों युवा खिलाड़ियों को आगे आते देख काफी अच्छा लगता है।

हिना ने कहा कि माता-पिता की सोच को बदलता देख अच्छा लगता है। हिना ने कहा, माता-पिता पहले अपने बच्चों को पढ़ाई लिखाई की तरफ भेजते थे क्योंकि इससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा महसूस होती थी, लेकिन अब खेल एक करियर का विकल्प बना गया है।

## दीपावली स्पेशल काजू कतली बनाने की रेसिपी

काजू कतली खाने में जितनी स्वादिष्ट लगती है, बनाने में भी उतनी आसान मिठाई है ये। इस बनाने के लिए काजू चीनी और पानी की जरूर होती है। इसे कई जगहों पर काजू बर्फी भी कहा जाता है। तो आइये जानते है इसे बनाने की विधि के में

आवश्यक सामग्री

200 ग्राम काजू, 100 ग्राम पिसी हुई चीनी, 1/3 कप पानी, 1 टीस्पून घी, चांदी का वर्क

नॉनस्टिक पैन

बनाने की विधि

सबसे पहले काजू को बारीक पीस लें। इस बात का ध्यान रखें कि पाउडर में गुठलियां न रहें। मीडियम आंच पर पैन रखें। इसमें चीनी और पानी डालकर उबाल आने का इंतजार करें। जब इसमें उबाल आ जाए जाए तो काजू पाउडर डालकर अच्छी तरह से चलाते हुए पकाएं। काजू पाउडर और चाशनी को अच्छी तरह से चलाते हुए मिलाते जाएं और पकाते जाएं ताकि इसमें गुठलियां न पड़ें। काजू पेस्ट को धीमी आंच पर 8-10 मिनट तक पकाना है। एक बड़ी प्लेट या थाली में थोड़ा-सा घी लगाकर चिकना कर लें। फिर इसमें तैयार काजू का पेस्ट डालें और अच्छी तरह मिक्स करते हुए बड़ी लोई बना लें। लोई को बेलन से बेलकर मोटी रोटी जैसा बना लें।

इसे 10-15 मिनट तक ठंडा होने दें। फिर इस पर चांदी का वर्क लगा दें। चाकू से काजू कतली जैसे आकार में काट लें। लीजिए तैयार है काजू कतली।

## शब्द सामर्थ्य-77

**बाएं से दाएं :**
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

**ऊपर से नीचे**
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

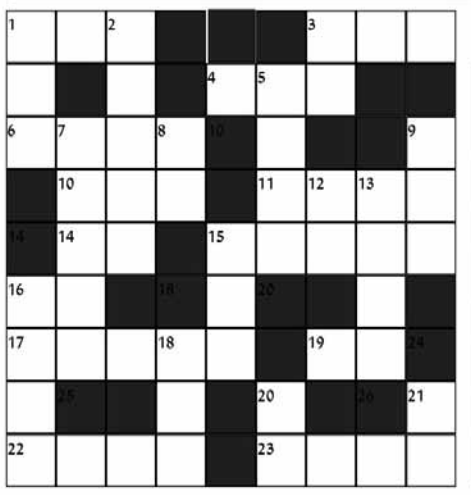

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 76 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | भि | षे | क | ■ | प | स | ■ | ■ |
| जा | त | ■ | थ | प | थ | पा | ना | ■ |
| य | र | का | नी | ■ | भ्र | ■ | र | श्मि |
| ब | घा | र | ■ | क | ष्ट | प्र | द | ■ |
| ■ | त | ना | त | नी | ■ | र्व | ■ | ब |
| अ | ■ | मा | ■ | ज | मा | त | ■ | ल |
| स | जा | ■ | ■ | ■ | ■ | क | ज | रा |
| बा | ■ | बे | स | हा | रा | ■ | ग | म |
| ब | गु | ला | ■ | रा | ज | दू | त | ■ |

## सू-दोकू-77

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | | | 4 | | | 7 | |
| | | 6 | 9 | | 2 | | | 1 |
| | 7 | | | 6 | | 8 | | 2 |
| 1 | | | | | | | 8 | |
| | 8 | | | 5 | | 2 | | 3 |
| 3 | | 2 | | | 4 | | 1 | |
| | 3 | | 2 | | | 4 | | |
| | | 8 | | 1 | 6 | | | 7 |
| 9 | | | 4 | | | | 2 | |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र 76 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 6 | 8 | 2 | 5 | 4 | 7 | 1 |
| 8 | 2 | 5 | 1 | 7 | 4 | 6 | 3 | 9 |
| 7 | 1 | 4 | 6 | 9 | 3 | 8 | 2 | 5 |
| 1 | 8 | 9 | 3 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 |
| 2 | 6 | 7 | 5 | 4 | 8 | 1 | 9 | 3 |
| 5 | 4 | 3 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 6 |
| 6 | 7 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 1 | 8 |
| 9 | 5 | 1 | 7 | 8 | 6 | 3 | 4 | 2 |
| 4 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 | 9 | 6 | 7 |

## आज का राशिफल

**मेष:** आज आपको सरकार द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी। यदि आप किसी व्यक्ति , बैंक या संस्था से कर्ज लेना चाहें तो न लें, आज लिए गए कर्ज का उतरना कठिन रहेगा। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा।

**वृषभ:** आज आप बहुत व्यस्त रहेंगे, ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें, पांव में चोट लगने का भय है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रूके हुए कार्यों की पूर्ति होगी।

**मिथुन:** व्यर्थ व्यय से बचें। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। कुछ अकस्मात लाभ होने से आपकी धर्म, आध्यात्म के प्रति रूचि सुदृढ़ होगी।

**कर्क:** भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज अपनी शान के लिए धन खर्चा करेंगे।

**सिंह:** आज का दिन मिश्रित फलकारक है। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के दूसरे प्रहर में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिलेंगे, मधुरवाणी का प्रयोग करें अन्यथा संबंधो में कटुता आ सकती है।

**कन्या:** आज आप साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे। माता-पिता को सुख और सहयोग देखकर आपको मानसिक खुशी प्राप्त होगी। व्यर्थ व्यय का योग भी है। व्यापार में धनलाभ होगा।

**तुला:** आज का दिन आपके लिए शुभकारक है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। आज नए कार्यों में इनवेस्ट करना पड़े तो शुभ रहेगा।

**वृश्चिक:** आज आपका मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार-वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सांयकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल होंगे।

**धनु:** आज आपकी विद्या और ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान, पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रूचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे।

**मकर:** आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। साथ ही अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा।

**कुंभ:** आज का दिन बुद्धि विवके से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा।

**मीन:** बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।